



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सुस्थिर पत्र का नाम
दैनिक मासिक

दिनांक
२२-६-२३

पृष्ठ संख्या
२

कॉलम
५-६

'अच्छे स्वास्थ्य के लिए दिनर्धा में योग को अपनाएं : प्रो. काम्बोज'

एचएस्यू में ७वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम



भारतप्रबन्धन | हिसार

योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है-जुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु आध्यात्मिक रूप से विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को एकाग्रता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्याएं में योग को अपनाना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे बुधवार को २५वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विविध कानून कल्याण निदेशालय और योगा कलब के संयुक्त रूप से आयोजित

कार्यक्रम में बोर्ड मध्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

योग अनुदेशक रोहताश व सुमन सहारण ने प्रतिभागियों को आद्युष मन्त्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया। सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय एसावदी ने भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को दिनर्धा में अपनाने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की शुरुआत में सह-निदेशक छात्र कल्याण (खेल) डॉ. बलजीत पिंधर ने सभी का स्वागत किया, जबकि हरियाणा कलब के अध्यक्ष एवं मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजु मेहता, साहि सेंटर के इंचार्ज हरभजन सिंह मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूत उजाता	२२-६-२३	५	१-२

अच्छे स्वास्थ्य के लिए रोज करें योग : प्रो. कांबोज



हिसार। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु आध्यात्मिक रूप से भी व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए हमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए रोज योग करना चाहिए। यह कहना है एचएयू के कुलपरि प्रो. बीआर कांबोज का। वे बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय और योग बलब के संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। योग अनुदेशक रोहताश व सुमन सहारण ने प्राणायाम का अध्यास करवाया। इस घैमें पर सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय एलावादी, सह-निदेशक छात्र कल्याण (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता, साई सेंटर के इंचार्ज हरभजन सिंह मौजूद रहे। व्यूगे



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभापति	२२-६-२३	६	६४

अच्छे खास्य के लिए अपनी दिनचर्या में योग को अपनाएँ: प्रो. काम्बोज

हिसार, 21 जून (विरेन्द्र वर्मा): योग शब्द की उपर्युक्त भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है-जुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु, अध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगिण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को एकाग्रता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में योग करते एवं एवं स्वागत किया, जबकि हरियाणा कृषि के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज सहित अन्य अधिकारीगण।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहे। वे बुधवार को ७वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय और योग कल्याण के संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे

थे। मुख्यातिथि प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहा कि अगर हमें जिंदगी में आगे बढ़ना है तो अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना होगा। योग सबसे बड़ी ताकत है, क्योंकि पूर्व काल में श्रीमारियों का इलाज करने के लिए विकिसालय जैसी सुविधाएं नहीं थीं, उस दौरान योग ही सबसे बड़ा माध्यम तरीके से प्रस्तुत कर एकाग्रता के साथ योग अपनाने पर भी बल दिया। योग अनुदेशक रोहताश व सुमन सहारण ने प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अध्यास करवाया। सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. बलजीत गिरधर ने सभी का योग दिवस पर योग को दिनचर्या में अपनाने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की शुरुआत में सह-निदेशक छात्र कल्याण (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर ने सभी का



था, जिससे हर श्रीमारी का इलाज संभव अव्यक्त एवं मीठिया एडवाइजर डॉ. हो पाया। मुख्यातिथि ने आङ्गन किया कि जिंदगी को आनंदित बनाने के लिए सकारात्मक सोच, एकाग्रता व निरंतरता के साथ दैनिक-दिनचर्या में योग जरूर करें। इसके अलावा मुख्यातिथि ने स्वामी किवेकानंद के प्रसंगों को बेहतर

संदीप आर्य ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता, साई सेंटर के इचार्ज हरभजन सिंह सहित खिलाड़ी व स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुखार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दूर · भूमि	२२ - ६ - २३	१०	३

अच्छे स्वास्थ्य के लिए अपनी दिनचर्या में योग को अपनाएँ : प्रो. कान्तोज

हिसार। योग से जैववल शारीरिक व मानसिक खिकास होता है अपितु अस्थात्मिक रूप से भी खिकास ढोकर व्यक्ति का स्वास्थ्य खिकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को स्काक्षता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। यठ बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. आर. कान्तोज ने कहा। वे बुधवार को ५वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के भाग्र कल्याण विवेशालय और योग काल्प के संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यालिखि के रूप में सभोषित कर रहे थे। योग अनुबंधक रोहताश व सुनक सठारण वे प्रतिभावितों को आधुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्रणायाम का अन्वास करवाय। सह-आप्र कल्याण विवेशक डॉ. संजय श्लावादी ने भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग को दिनचर्या में अपनाने की शपथ





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पूर्चार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
३१ नवंबर २०२०	२२-६-२३	२	१

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दिनचर्या में योग अपनाएं : बीआर काम्बोज

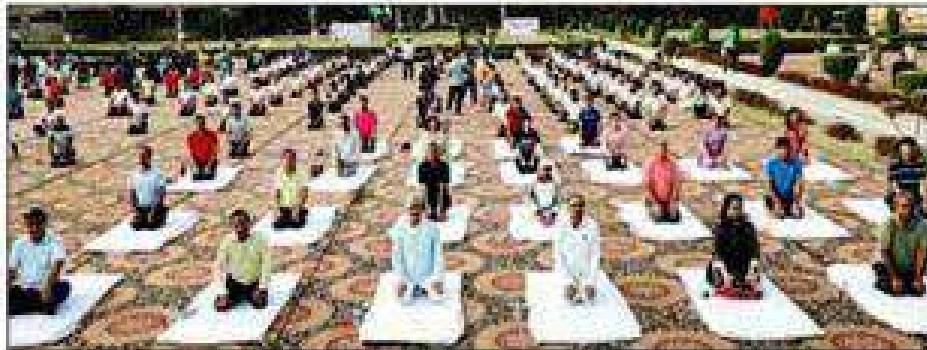
जागरण मंवादवाला, हिसार : योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है- जुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु, आध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे बुधवार को ७वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय और योग क्लब के संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में बताए मुख्यालिखि के रूप में संबोधित कर रहे थे। योग अनुदेशक रोहताश व सुमन सहारण ने प्रतिभागियों को आयुष मन्त्रालय के प्रोटोकल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया। इस दौरान सह-छात्र कल्याण निदेशक डा. संजय एलावाडी, सह-निदेशक छात्र कल्याण (खेल) डा. बलजीत गिरधर, क्लब के अध्यक्ष एवं मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डा. मंजू मेहता, साईं सेंटर के इंचार्ज हरभजन सिंह आदि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	फॉलम
पांच बजे न्यूज़	21.06.2023	--	--

हफ्ते में 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन



योग बजे न्यूज़

हिसार। योग शब्द को उत्तरी संस्कृत भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है- बुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक समय मिलना ही योग कहलाता है। योग से न बोलता जारीरिक व मानविक विकास होता है अर्थात्, अध्यात्मिक अप में भी विकास होकर अपकृति का सर्वाग्रहण विकास होता है। इसलिए हर अपकृति को एकत्रिता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्चा में योग को अपनाना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपती प्रो. डॉ. शी.आर. काम्होज ने कहे। ये बुधवार को 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के छात्र छात्याण निदेशालय और योग कल्यान के संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में बहीर मुख्यालिखि के सम में संबोधित कर रहे थे। मुख्यालिखि प्रो. डॉ. शी.आर. काम्होज ने कहा कि अगर हमें जिटो में आगे बढ़ना है तो अपनी दिनचर्चा में योग को शामिल

करना होगा। योग सबसे बड़ी तकनी है, जिसके पूर्व काल में जीवारियों का इलाज करने के लिए विकिन्सालय जैसी सुविधाएँ नहीं थीं, उस दौरान योग ही सबसे बड़ा माध्यम था, जिससे हर जीवारी का इलाज संभव हो गया। योग अनुदेशक गोहताला व सुमन महाराज ने प्रतिभागियों को आपुष्य मञ्जलालय के प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अभ्यास कराया। मह-आज फल्याण निदेशक डॉ. मंजूष एलाक्कानी ने भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को दिनचर्चा में अपनाने की शपथ लियां। इस अवसर पर मह-निदेशक छात्र कल्याण (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर, इन्हीं योग कल्यान के अध्यक्ष एवं मौहिला एकाडमीज़र डॉ. मंटीष आर्य ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मोहता, मार्ग सेटर के इन्डियन हरभजन सिंह सौरज शिलांगी व स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	22.06.2023	--	--

अच्छे स्वास्थ्य के लिए अपनी दिनचर्या में योग को अपनाएँ : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है-जुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु, अध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगिण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को एकाग्रता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे बुधवार को 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर

हकूमि में 9वां
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
पर भव्य कार्यक्रम का
आयोजन हुआ

कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा

कि अगर हमें जिंदगी में आगे बढ़ना है तो अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना होगा। योग सबसे बड़ी ताकत है, क्योंकि पूर्व काल में बीमारियों का इलाज करने के लिए चिकित्सालय जैसी सुविधाएं



नहीं थी, उस दौरान योग ही सबसे बड़ा माध्यम था, जिससे हर बीमारी का इलाज संभव हो पाया। मुख्यातिथि ने आह्वान किया कि जिंदगी को आनंदित बनाने के लिए सकारात्मक सोच, एकाग्रता व निरंतरता के साथ दैनिक-दिनचर्या में योग जरूर करें। इसके अलावा मुख्यातिथि ने स्वामी विवेकानन्द के प्रसंगों को बेहतर तरीके से प्रस्तुत कर एकाग्रता के साथ योग अपनाने पर भी बल दिया।



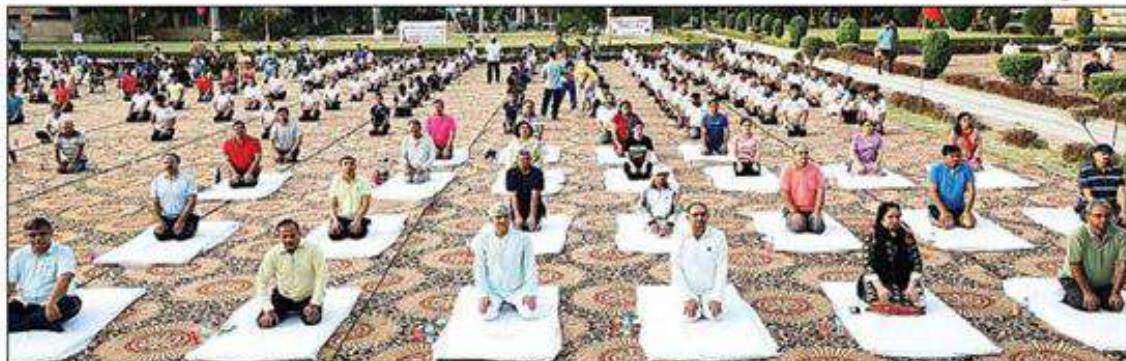
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	21.06.2023	--	--

हकूमि में 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 21 जून। योग शब्द की अपनी संरक्षित भाषा के 'युज' नामक शब्द से ही है, जिसका अर्थ है- जुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अरितु, अध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को एकाग्रता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृत्यपात्र प्रो. वी.आर. काम्पोज ने कहे। वे बृथक्का को 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के द्वारा कल्याण निदेशालय और योग कल्याण के संपुर्ण रूप से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यतात्त्विक के रूप में संक्षेपित कर रहे थे।



ही तो अपनी दिवचर्यां में योग को ज्ञानित को आनंदित बताने के लिए संकागात्मक प्रतिभावितों को अपेक्ष मंत्रालय के (योग) डॉ. बलजीत गिरभर ने सभी का करना होगा। योग सबसे बड़ी ताकत है, सोच, एकाग्रता व निरंतरता के साथ प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग स्थानों किया जाए। जबकि हकूमि योग कल्याण कर्मीक धूर्व काल में बौमारियों का दैनिक-दिनचर्या में योग ज़रूर करें। कियावें तथा प्राप्तावान का अभ्यास के अध्यात्म एवं भीड़िया एडवाइजर डॉ. इत्याज बद्रने के लिए चिकित्सालय डैसी इसके अलावा मूल्यातिथि ने स्वामी करवाया। मह-द्वात्र कल्याण निदेशक संदीप आर्य ने घनबाद किया। इस मूल्यात्मा नहीं थी, उस दौरान योग ही विवेकानन्द के प्रसरणों की बेहतर तरीके से डॉ. संदीप एलाकादी ने भी अंतर्राष्ट्रीय अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की रोहतारा डॉ. नवु मेहता, बीमारी का इताज संभव हो गया। अपनाने पर भी बत दिया। योग अपनाने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की सार्व दीर्घ के इचार्ज हरभरन सिंह सहित निदेशक डॉ. नवु मेहता, बीमारी व स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	21.06.2023	--	--

दिनचर्या में योग को अपनाएं नागरिक : डॉ. कांबोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। योग से न केवल शारीरिक ब मानसिक विकास होता है अपितु, अध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगिण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को एकाग्रता ब निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कांबोज ने कहे। वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि अगर हमें जिंदगी में आगे बढ़ना है तो अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना होगा। मुख्यातिथि ने आह्वान किया कि जिंदगी को आनंदित बनाने के लिए सकारात्मक सोच, एकाग्रता ब निरंतरता के साथ दैनिक-दिनचर्या में योग जरूर करें। इसके अलावा मुख्यातिथि ने स्वामी विवेकानन्द के



एथायू में योग कार्यक्रम में योग करते योगार्थी।

प्रसंगों को बेहतर तरीके से प्रस्तुत कर एकाग्रता के साथ योग अपनाने पर भी बल दिया। सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय एलावादी ने भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को दिनचर्या में अपनाने की शपथ

दिलाई। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता, साई सेंटर के इंचार्ज हरभजन सिंह सहित खिलाड़ी ब स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्प्रचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२०२५ मार्च	२२-६-२३	६	१-५

सलाह • कपास पर नीम आधारित कीटनाशक छिड़कें, पिछली फसल के टिंडे व पत्ते नष्ट करें कपास की फसल के पास बनछटियां, जिनिंग-बिनौला मिल न हों, वरना फसल में लग सकती है गुलाबी सुंडी

क्षेत्रफल सिंह | हिसार

खेत के आसपास जिनिंग-बिनौला मिल है या फसल के आसपास नरमा की बनछटियां (टिंडे तोड़ने के बाद बची लकड़ियां) रखी हैं, तो वहाँ गुलाबी सुंडी का प्रकोप होने की संभावना बढ़ जाती है। बनछटियों के टिंडे व पत्ते झाड़कर नष्ट कर देने चाहिए। फसल बिजाई के 35 से 40 दिन के बाद गुलाबी सुंडी की निगरानी के लिए 2 फैसलोंने टैप प्रति-एकड़ लगाएं तथा इनमें फसले वाले गुलाबी सुंडी के पत्तों को 3 दिनों के अंतराल पर निनती करें। हक्किय के कुलपति प्रौ. बीआर कामबोज ने बताया कि गुलाबी सुंडी और जड़ गलन का रोग कपास की फसल में आ सकता है। जून माह से ही इन रोगों से बचाव के लिए किसानों को जागरूक रहना चाहिए।

ज्यादा जहरीले कीटनाशकों का न करें प्रयोग, मित्र कीट हो सकते हैं कम



कपास की शुरुआती अवस्था में ज्यादा जहरीले कीटनाशकों का प्रयोग ना करें। ऐसा करने से मित्र कीटों की संख्या कम हो जाती है तथा रस चूसने वाले कीड़ों की समस्या बढ़ने लगती है। जून में कपास की फसल में थिप्स/चूरड़ा का प्रकोप भी हो सकता है। 60 दिनों से कम अवधि की फसल में थिप्स संख्या यदि 30 थिप्स प्रति 3 पत्ता मिले तो नीम आधारित कीटनाशक का प्रयोग करें। इसके बाद एसायनिक कीटनाशक अगर गुलाबी सुंडी के लिए प्रयोग किया गया हो तो थिप्स की संख्या में भी कमी आती है।

कपास में पानी 40 से 50 दिन के बाद लगाएं, फल्वारा 4-5 दिन में ही चलाएं

जून में किसान कपास की फसल की नलई कसोले या ट्रैक्टर से करें। खुला पानी 40 से 50 दिन बाद ही लगाएं। रेतीली मिट्टी में फल्वारा विधि से 4 से 5 दिन में ही पानी लगाएं। टपका विधि से भी सिंचाई कर रहे हैं तो 3 से 4 दिन में ही पानी लगाएं। यदि बिजाई के समय कठ नहीं ढाला है तो एक बैग यूरिया की जगह ढाँची की बिजाई कर सकते हैं।

जड़ गलन से बचने के लिए रोगग्रस्त पौधों को उछाइकर बाहर फेंक दें

हक्किय बैज्ञानिकों के अनुसार जड़ गलन रोग से प्रभावित पौधों के आसपास के स्वस्थ पौधों में कार्बोडाइज़िम 2 ग्राम प्रति लीटर का घोल बनाकर 400 से 500 मिलीलीटर रोगग्रस्त पौधों की एवम आसपास के स्वस्थ पौधों की जड़ों में डालना चाहिए। कपास की फसल को जड़ गलन और गुलाबी सुंडी से बचाव करने चाहिए।

बीमारी से बचाव के लिए ऐसे करें बचाव के उपाय हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अनुसार कपास की फसल में जून से भव्य अगस्त तक कुल 12 से 15 पत्तों प्रति टैप 3 दिन में आते हैं। फसल में बौंकी/डोडी आ गई है तो कीटनाशक के छिड़काव की भी जरूरत है। इसके लिए पहला छिड़काव नीम आधारित कीटनाशक की 5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से करें। कपास की फसल 60 दिनों की होने के बाद व गुलाबी सुंडी का प्रकोप फलीय भागों पर 5 से 10 प्रतिशत होने पर दूसरा छिड़काव ग्रोफेनोफोस 50 इसी की 3 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से करें।